मेडिकल कॉलेज में भर्ती 11 संक्रमितों की टूटी सांस

चक्रपानपुर (आजमगढ़) (संवाददाता): राजकीय मेडिकल कॉलेज व सुपर फैसिलिटी अस्पताल में भर्ती कोरोना संक्रमितों में ११ लोगों की सांस टूट गई। इसमें आठ आजमगढ़, दो मऊ तथा एक बलिया जिले के निवासी थे। देवगांव निवासी ३८ वर्षीय युवक को २७ अप्रैल की शाम ३.०५ बजे भर्ती किया गया जिन्होंने उसी रात ८.३० बजे अंतिम सांस ली। सिधारी थाना क्षेत्र की ५८ वर्षीया महिला को २० अप्रैल की भोर में ५.१० बजे भर्ती किया गया जिन्होंने बुधवार की भोर में ५.१० बजे दम तोड़ दिया। इसी क्रम में २२ अप्रैल की रात एक बजे भर्ती शहर कोतवाली के कोल्पाट निवासी ८५ वर्षीय महिला ने २७ अप्रैल की शाम ३.१५ बजे, २४ अप्रैल की शाम छह बजे भर्ती महराजगंज क्षेत्र के ७० वर्षीय वृद्ध ने बुधवार की भोर में ५.१० बजे, २३ अप्रैल की दोपहर १२.२५ बजे भर्ती जहानागंज थाना क्षेत्र की ८० वर्षीय वृद्धा ने बुधवार की दोपहर १२.३० बजे, २० अप्रैल की शाम ४.३० बजे भर्ती शहर कोतवाली के अराजीबाग निवासी ३२ वर्षीय महिला ने २७ अप्रैल की सुबह ११.२० बजे, २६ अप्रैल की शाम तीन बजे भर्ती जहानागंज क्षेत्र के ५५ वर्षीय व्यक्ति ने २७ अप्रैल की सुबह १०.५० बजे सांस टूट गई। २३ अप्रैल को दोपहर १२.४० बजे भर्ती शहर कोतवाली के ६७ वर्षीय वृद्ध ने २६ अप्रैल शाम ६.३० बजे, २४ अप्रैल को अपराह्न २.४२ बजे भर्ती मऊ के मोहम्मदाबाद निवासी ४० वर्षीय महिला ने २७ अप्रैल को अपराह्न दो बजे, २७ अप्रैल की भोर में ४.४५ बजे भर्ती मऊ जनपद के रानीपुर थाना निवासी ६५ वर्षीय वृद्ध उसी रात २.२५ बजे, २७ अप्रैल की शाम ३.०५ बजे भर्ती बलिया के भीमपुरा निवासी ५० वर्षीय व्यक्ति ने शाम ६.४० बजे अंतिम सांस ली। नोडल अधिकारी डॉक्टर दीपक पांडेय ने बताया कि मौत की सूचना महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा, मंडलायुक्त, डीएम, एसपी, सीएमओ के साथ स्थानीय पुलिस को दी गई है। प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार होगा।

मैरेज हाल छोड़ शादी के लिए पकड़ रहे मंदिर की राह

आजमगढ़ (संवाददाता): इसे प्रशासन का खौफ कहें अथवा कोरोना से बचने की कोशिश कि लोग वैवाहिक कार्यक्रम के लिए मंदिरों की राह पकड़ने लगे हैं। मैरेज हाल और टेंट हाउस की बुकिंग करा चुके लोगों ने उसे कैंसिल कराना शुरू कर दिया है। डीजे का भी यही हाल है। शहर में सौ लोग टेंट का कारोबार करते हैं और लगभग सभी का यही हाल है। यही स्थिति शहर के लगभग ४० मैरेज हाल का है। एक सप्ताह पहले तक जो मैरेज हाल वाले कह रहे थे कि बुकिंग हो चुकी है वह अपने परिचितों के यहां फोन कर बता रहे हैं कि चाहिए तो ले लीजिए, जो देना होगा दे दीजिएगा। इसके पीछे कारण साफ है और वह यह कि कोरोना के पलटवार से लोग सहमे हुए हैं और खुद नहीं चाहते कि भीड़भाड़ हो। जिसने एक हजार लोगों के भोजन का एस्टीमेट तैयार किया था उसने चार सौ कर दिया। जिन्होंने सौ बाराती ले जाने की सोची थी उसने नात-रिश्तेदारों को छोड़ बाकी को बहू भोज का कार्ड भेजना मुनासिब समझा है। शहर के एक व्यापारी ने बताया कि बेटे की शादी पिछले वर्ष ही तय थी लेकिन लॉकडाउन लग गया तो कैंसिल कर दिया। अबकी तारीख पक्की हुई तो शनिवार और रविवार को कोरोना का ?फर्यू लागू हो गया। चूंकि शनिवार को ही शादी होनी थी सो उसे टालना संभव नहीं था इसलिए मंदिर से शादी कर दिया। इससे दोनों पक्षों की इज्जत बची रह गई और कोरोना गाइडलाइन का पालन भी हो गया।

बलिहारी बाबू ने समझा उपेक्षित वर्ग का मर्म

आजमगढ़: बसपा संस्थापक कांशीराम के साथ मिलकर बहुजन समाज के आंदोलन में पूर्व राज्यसभा सदस्य बलिहारी बाबू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राजनीति के साथ पिछड़े व वंचित समाज के साथ युवक-युवा [illegible] शामिल होते थे। वर्ष १९८४ से पहले कांशीराम ने बामसेफ और डीएस-४ के माध्यम से दलितों, पिछड़ों और मुस्लिम समाज को एकजुट करने के लिए उत्तर प्रदेश में पदयात्रा और साइकिल यात्रा की। जिसके माध्यम से बलिहारी बाबू समाज के उपेक्षित वर्ग का मर्म समझा। इस समाज के पीड़ित वर्ग के लोगों को अपने साथ जोड़ा। बलिहारी बाबू ने कांशीराम की संघर्ष यात्रा में शामिल होकर काफी संख्या में दलितों, पिछड़ों और मुस्लिम समाज के नेताओं को संगठन से जोड़कर १९९२ में सपा-बसपा की गठबंधन की सरकार में चोटी तक का ओहदा दिलवाया। इन्हें बसपा से दो बार राज्यसभा जाने का अवसर मिला। २००६ में कांशीराम के निधन के बाद २००७ में उन्हें पुन: राज्यसभा में जाने का मौका मिला। लेकिन पद की लालसा छोड़ अपने स्थान पर दूसरे को राज्यसभा भेजा। कांशीराम के निधन के बाद बसपा के वफादार नेताओं में शामिल बलिहारी बाबू को पार्टी से निकाल दिया गया। जिसके बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गए। २०१४ में कांग्रेस ने उन्हें लालगंज सुरक्षित संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया था। हालांकि हार का सामना करना पड़ा था। लोकसभा चुनाव के कुछ वर्ष बाद बलिहारी बाबू की पुन: २०१६ में बसपा में वापसी हुई लेकिन उन्हें कोई पद नहीं दिया गया। पार्टी में अपनी उपेक्षा के चलते उन्होंने २०२० में सपा का दामन थाम लिया। फिर मिशन २०२२ के तहत सपा मुखिया को सूबे का मुख्यमंत्री बनाने के लिए काम शुरू कर दिया था।

सूरज ने तरेरी आंखें, पारा 41 डिग्री सेंटीग्रेड के पार

मऊ (संवाददाता): जिले में भीषण गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। सूरज ने आंखें तरेरनी शुरू कर दिया है। सुबह नौ बजे के बाद से ही बाहर निकलने वाले लोगों को गर्मी सताने लगी है। एक तरफ लू की तपिश तो दूसरी ओर धूप की तीक्ष्णता शरीर की त्वचा में जलन उत्पन्न करने लगी है। लगातार दो दिनों से जिले का तापमान ४१ डिग्री सेंटीग्रेड के पार चल रहा है। खुले आसमान के नीचे काम कर रहे मजदूरों पर एक-एक घंटा भारी पड़ रहा है। बाइक और साइकिल पर चलने वाले लोगों की भी मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। ऐसे मौसम में चिकित्सक भी लोगों से बेहद सतर्क रहने की नसीहत दे रहे हैं। ताल-तलैयों के सूख चुके होने के कारण वातावरण में नमी की मात्रा लगातार घटती जा रही है। बुधवार को हवा की आ?र्द्रता मात्र १३ प्रतिशत ही रिकार्ड की गई। क्षेत्र में पशु-पक्षियों को भी दिन के समय पेड़ों की कोपलों व झुरमुटों में छिपते देखा जा रहा है। थोड़ी देर में ही मनुष्य क्या जानवर भी हांफना शुरू कर दे रहे हैं। सड़कों के किनारे छायादार वृक्ष के नीचे रुकने के लिए राहगीर विवश हो जा रहे हैं। धूप के चलते जगह-जगह लोगों को गश खाकर गिरते देखा जा सकता है। ब्रह्मस्थान स्थित निजी बस स्टैंड पर दुकानदारों ने बताया कि दो महिलाएं गश खाकर गिरीं, जिन्हें पानी की छींटा मारकर लोगों ने छांव में बैठाया।

संक्रमित 12 की मौत, जांच में आरओ समेत 3०8 मिले संक्रमित

बाराबंकी: जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही है। संक्रमित १२ लोगों की मौत हो गई। जबकि शाम तक जांच में लोड : संक्रमित १२ की मौत, जांच में आरओ समेत ३०८ मिले संक्रमित लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। ८३ अस्पतालों में कोरोना रोधी टीका लगाया गया। इसमें ३५०० लोगों ने टीका लगाया।

आवास विकास कालोनी हरमीत कौर ५६ की मौत हो गई। कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें मेयो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आवास विकास के रहने वाले विशाल सिंह की मौत मेयो में इलाज के दौरान हो गई। वहीं दूसरी ओर, बिरौली मकदरगंज के ८६ वर्षीय शशिमोहन लाल शुक्ल रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मी थे। उनकी लखनऊ के रेलवे अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूरतगंज, बाराबंकी: सूरतगंज प्रथम जिला पंचायत सदस्य पद के समर्थित भाजपा प्रत्याशी दुष्यन्त चौरसिया मतदान के दिनों से कोरोना संक्रमित हो गए थे। जिसके चलते जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से आस्था अस्पताल लखनऊ ले जाया गया। बाद में हिंद अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

त्रिवेदीगंज: थाना लोनीकटरा के लदई का पुरवा के ३२ वर्षीय आलोक वर्मा की बुधवार को तबीयत खराब होने पर लखनऊ के डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात मौत हो गई। आलोक की पत्नी दुन्दीपुर से प्रधान पद का चुनाव लड़ रही हैं। बंकी के ग्राम पंचायत चेचरूवा के निवर्तमान प्रधान लोकनाथ यादव ३५ की मौत हो गई। शहर के रसूलपुर निवासी सेवानिवृत्त एडीओ पंचायत फतेह बहादुर तिवारी की मौत हो गई। उन्हें सांस लेने में दिक्कत थी। हैदरगढ़ क्षेत्र के एक लेखपाल की मौत हो गई। जैदपुर अतुल श्रीवास्तव की मौत हो गई। वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। सोमैया चौकी इंचार्ज अवधेश की पत्नी सुषमा सिंह की मौत हो गई। सात माह की गर्भवती थी। आस्था से मेयो के लिए रेफर किया गया था। आवास विकास निवासी एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

आरओ समेत ३०८ मिले जांच में पाजिटिव

जांच में देर शाम तक ८० लोग पाजिटिव मिले हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोन कुमार कोरोना संक्रमित हो गए हैं। वह फतेहपुर के आरओ थे। इनके साथ ही इनकी पत्नी व पिता भी पाजिटिव आए हैं। सिद्धौर के बिबिया में चार, गांधीनगर में दो, दादरा में तीन, कमरपुर सतरिख के तीन लोग पाजिटिव मिले हैं। त्योंजना सीएचसी सिद्धौर के चार लोग, टिकैतनगर में तीन, सत्यप्रेमीनगर में तीन के अलावा सीएमओ कार्यालय के निकट हुई जांच में ३५ लोग पाजिटिव मिले हैं।

साढ़े तीन हजार को लगा टीका

जिले में ८३ अस्पतालों में ८५०० लोगों को कोरोनारोधी टीका लगना था। लक्ष्य के सापेक्ष साढ़े तीन हजार लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया।

पुलिस मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश ढेर

मऊ (संवाददाता): सरायलखंसी थाना क्षेत्र के भंवरेपुर गांव के समीप बुधवार की भोर में साढ़े तीन बजे के करीब पुलिस मुठभेड़ में पूर्वांचल के कुख्यात गैंगस्टर व एक लाख का इनामी बदमाश लालू यादव उर्फ विनोद यादव ढेर हो गया। इस बीच उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकलने में कामयाब हो गया। इस दौरान जैकेट बुलेटप्रूफ की वजह से पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। बदमाश के पास से एक पिस्टल, जिंदा, खोखा कारतूस व बाइक बरामद हुआ है। शासन की तरफ से पुलिस टीम को तीन लाख रुपये इनाम की घोषणा की गई है। लालू यादव सरायलखंसी थाना क्षेत्र के डोडापुर का रहने वाला था। उसके खिलाफ विभिन्न जनपदों में कुल ८२ से ज्यादा लूट, हत्या, डकैती के मुकदमें दर्ज थे। उसे उत्तर-प्रदेश और बिहार प्रांत के कई बड़े नेताओं की सरपरस्ती प्राप्त थी। इसलिए पुलिस ज्यादा कुछ नहीं कर पा रही थी। इधर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उसकी गतिविधियां जैसे रंगदारी मांगने, लोगों के चुनाव लड़ने में दखल देने की चल रही थी। मुखबिर की सूचना पर एसओजी, स्वाट टीम, सरायलखंसी, चिरैयाकोट व मुहम्मदाबाद गोहना थाने की संयुक्त पुलिस टीम बुधवार की साढ़े तीन बजे भंवरेपुर के पास पहुंची थी। इस दौरान गुजर रहे बाइक सवार दो लोगों को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस पार्टी पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें बाइक सवार एक व्यक्ति गोली लगने से गिर गया जबकि उसका साथी भाग जाने में कामयाब रहा। घायल बदमाश की पहचान लालू यादव के रूप में हुई। मुठभेड़ में प्रभारी निरीक्षक चिरैयाकोट अविनाश कुमार सिंह, स्वाट प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद यादव, प्रभारी एसओजी उपनिरीक्षक अमित मिश्रा व सर्विलांस सेल के आरक्षी विवेक सिंह बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बाल-बाल बच गए। घायल लालू यादव को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक सुशील घुले चंद्रभान ने बताया कि उसने वर्ष २०१८ में मऊ के आरटीआइ कार्यकर्ता बालगोविंद की हत्या की थी। उसके अलावा वह जौनपुर में ज्वेलरी शाप में दो करोड़ की डकैती, भदोही गार्ड को गोली मारकर २५ लाख कैश वैन लूटने, मीरजापुर एवं वाराणसी में सोनार के यहां डकैती डालने के मामले में वांछित चल रहा था। इसके अलावा विभिन्न जनपदों में उसके ऊपर ८२ अभियोग पंजीकृत हैं। शासन की तरफ से बदमाश को मार गिराने वाली टीम को दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। इस प्रकार पुलिस टीम को तीन लाख का इनाम प्रदान किया जाएगा।